

संपादकीय आम चुनाव-2024-सरोकारी माहौल जरूरी

हसीन सपने भर नहीं

अंध्र प्रदेश और नई दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से संबंधित दो अहम खबरें हैं। रविवार को अमरावती की जनसभा में वे शिक्षा-स्वास्थ्य के अनेक उत्तर केंद्रों से राज्य को एक जीवंत हब बनाने का ऐलान करते हैं। इनमें आईआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे अनेक संस्थानिक उपहारों का पिटारा खोलते हैं—इस अंदाज में कि ‘ये लीजिए, वो भी लीजिए। और बोलिए कि और आपको क्या चाहिए’। ऐसा दो ही स्थितियों में होता है—जब आप किसी को बेहद मूल्यवान और वजनदार मानकर उसको साधने में बिछ से जाते हैं या फिर किसी को अपने अस्तित्व का बेहद सगा मानते हैं। उसके स्वागत-सत्कार में कसर नहीं छोड़ना चाहते। वैसे चुनावी मौसम में यह दल-निरपेक्ष आम रवायत है। पर भाजपा और नरेन्द्र मोदी के संदर्भ में खास है। मंच पर इसके साथ्य थे—तेलुगू देशम के चंद्रबाबू नायडू और जनसेना के नेता। एनडीए के संयोजक रहे नायडू की सालों बाद एनडीए में वापसी हुई है। हालांकि नायडू भ्रष्टाचार के मामले, जिसके खिलाफ पीएम का अभियान है, में अभी पिछले महीने जेल से जमानत पर हैं। इस विडम्बना के बावजूद भाजपा और प्रधानमंत्री का भरोसा है कि वे इनके सहारे अंध्र प्रदेश की लोक सभा सीटों से ‘400 पार’ जाने का पुख्ता इंतजाम कर लेंगे। विधानसभा में भी कुछ सीटें लाकर गठबंधन सरकार का हिस्सा बन सकते हैं। पिटारा खोलने की यह पहली स्थिति है। यहां कर्णाटक की 25 सीटों की बड़ी भरपाई करनी है, जो कांग्रेस के कब्जे में है—तेलंगाना भी। केरल में भाजपा के नामलेवा तो एकाध हो गए हैं, पर वे सीटें लाने वाले अभी भी नहीं हैं। तमिलनाडु में भाजपा का अचाद्रमुक से अलगाव हो चुका है। इसलिए अंध्र और चंद्रबाबू भाजपा के लिए अभी एवं आगे के लिए अपरिहर्य हैं। योजनाओं की झड़ी की यह दूसरी बाध्यता है। इस तस्वीर से बिल्कुल उलट है—तीसरी बार सत्ता में वापसी की प्रधानमंत्री की आस्ति। इसी आधार पर वे सत्ता में आने के 100 दिन बाद के कार्यक्रम बनाने का निर्वेश अपनी कैबिनेट को दिया हुआ है। इसके आगे, वे आजादी की सदी 2047 तक देश के सर्वांगीण विकास का एजेंडा तैयार किए हुए हैं, जो सर्वे पर आधारित है। विपक्ष इस पर हंस सकता है और इसे मतदाताओं को बरगलाने का एक हथकंडा करार दे सकता है। एक मायने में ऐसा हो भी सकता है। पर योजना और क्रियान्वयन में सरकार जिस तरह से चली है।

विचार

विश्व शांति और महिलाधिकार

बढ़ती हिंसा और बढ़ते डिजिटल लिंग विभाजन के कारण महिलाओं के अधिकार खतरे में हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतरेस ने महिलाओं के अधिकारों की रक्षा की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए यह कहा। दुनिया भर में महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी सुरक्षा के लिए समर्पित महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म, महिलाओं की स्थिति पर आयोग (सीएसडब्ल्यू) के उद्घाटन अवसर पर गुतरेस ने महिलाओं पर युद्धों के असंगत प्रभाव की भी बात की। उन्होंने तत्काल युद्धविराम और मानवीय सहायता का आग्रह करते हुए कहा कि दुनिया भर के संघर्ष क्षेत्रों में महिलाएं और लड़कियां पुरुषों द्वारा छेड़े गए युद्धों से सबसे ज्यादा पीड़ित हैं। गाजा की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि कथित तौर पर वहां इस्लाम की सैन्य कार्रवाइयों के दैरान हताहत दो-तिहाई से अधिक महिलाएं हैं। अफगानिस्तान और सूदान की महिलाओं की स्थिति और पुरुषों द्वारा नियंत्रित एलांगोरिदम जीवन के कई पहलुओं में पैदा होने वाली असमानता पर भी चर्चा की। गुतरेस ने महिलाओं को सभी स्तरों पर डिजिटल प्रौद्योगिकी में निर्णय लेने की भूमिका मिलने की बात भी की। लैंगिक समानता हासिल करने के लिए संरचनात्मक बाधाओं को खत्म करने और महिलाओं को नेतृत्व की भूमिकाओं से रोकेने पर विशेष जोर दिया। युद्धों और दुनिया भर जारी मार-काट से निपटने का काम महिलाएं बेहतर ढंग से कर सकती हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है। सारी दुनिया में जारी युद्धों के मूल में पुरुष ही हैं, हालांकि वे युद्धों की बलि भी चढ़ रहे हैं जिसकी परोक्ष और अपरोक्ष तौर पर कीमत स्त्रियां ही चुका रही हैं। परिवारों से बिछड़े वाले बच्चे दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। युद्धों ने नौजवानों को भी नेस्त-नाबूत कर दिया है। पीछे छूटी स्त्रियां नन्हे बच्चों को सीने से चिपटाए बेघर भटक रही हैं। बढ़ती वैश्विक हिंसा बच्चों समेत महिलाओं के अधिकारों को रोंदते हुए संक्रमण की तरह बढ़ती ही जा रही है। दुनिया भर के ताकतवर शीघ्राधिकारियों के कानों में जूँ रेंगती नहीं नजर आ रही। यह सच है कि जब तक शीर्ष पदों पर और प्रौद्योगिकी पर लैंगिक समानता नहीं होगी, इसी तरह के आक्रामक/विभीषिका भरे निर्णयों से महिलाओं और बच्चों का जीवन खतरों से भरा रहेगा। पीड़ितों के बचाव और सुरक्षित जीवन के लिए जरूरी है कि महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित न रखा जाए।

any other appropriate
from EditorÓs Desk)
by Narendra Modi

सभा चूनाव के महापर्व की भाषा

लोकसभा युग्मक का महापव का मानदण्ड के बावेक एक ऐसी खबर आई, जिसने मन-मस्तिष्क में कुछ पल के लिए एक ठहराव सा ला दिया। भारत की आध्यात्मिक चेतना के प्रखर व्यक्तित्व श्रीमत स्वामी स्मरणानंद जी महाराज का समाधिस्थ होना, व्यक्तिगत क्षति जैसा है। कुछ वर्ष पहले स्वामी आत्मास्थानंद जी का महाप्रयाण और अब स्वामी स्मरणानंद का अनंत यात्रा पर प्रस्थान कितने ही लोगों को शोक संतास कर गया है। मेरा मन भी करोड़ों भक्तों, संत जनों और रामकृष्ण मठ एवं मिशन के अनुयायियों सा ही दुखी है। इस महीने की शुरुआत में, अपनी बंगल यात्रा के दौरान मैंने अस्पताल जाकर स्वामी स्मरणानंद जी के स्वास्थ्य की जानकारी ली थी। स्वामी आत्मास्थानंद जी की तरह ही, स्वामी स्मरणानंद जी ने अपना पूरा जीवन आचार्य रामकृष्ण परमहंस, माता शारदा और स्वामी विवेकानंद के विचारों के वैश्विक प्रसार को समर्पित किया। ये लेख लिखते समय मेरे मन में उनसे हुई मुलाकातें, उनसे हुई बातें, वो स्मृतियां जीवंत हो रही हैं। जनवरी 2020 में बेलूर मठ में प्रवास के दौरान, मैंने स्वामी विवेकानंद जी के कमरे में बैठकर ध्यान किया था। उस यात्रा में मैंने स्वामी स्मरणानंद जी से स्वामी आत्मास्थानंद जी के बारे में काफी देर तक बात की थी। आप जानते हैं कि रामकृष्ण मिशन और बेलूर मठ के साथ मेरा कितना आत्मीय संबंध रहा है। आध्यात्म के

एक जिजासू के रूप में, पांच दशक से भी ज्यादा के समय में, मैं भिन्न-भिन्न संत-महात्माओं से मिला हूं अनेकों स्थलों पर रहा हूं। रामकृष्ण मठ में भी मुझे आध्यात्म के लिए जीवन समर्पित करने वाले जिन संतों का परिचय प्राप्त हुआ था, उसमें स्वामी आत्मास्थानंद जी एवं स्वामी स्मरणानन्द जी जैसे व्यक्तित्व प्रमुख थे। उनके पावन विचारों और उनके ज्ञान ने मेरे मन को निरंतर संतुष्टि दी। जीवन के सबसे महत्वपूर्ण कालखंड में ऐसे ही संतों ने मुझे जन सेवा ही प्रभु सेवा का सत्य सिद्धांत सिखाया। स्वामी आत्मास्थानंद जी एवं स्वामी स्मरणानन्द जी का जीवन, रामकृष्ण मिशन के सिद्धांत ‘आत्मनो मोक्षार्थ जगद्विताय च’ का अमित उदाहरण है। रामकृष्ण मिशन द्वारा, शिक्षा के संवर्धन और ग्रामीण विकास के लिए किए जा रहे कार्यों से हम सभी को प्रेरणा मिलती है। रामकृष्ण मिशन, भारत का आध्यात्मिक चेतना, शैक्षिक सशक्तिकरण और मानवीय सेवा के सकल्प पर काम कर रहा है। 1978 में जब बंगाल में बाढ़ की विभिन्निका आई, तंत्र रामकृष्ण मिशन ने अपनी निस्वार्थ सेवा से सभी को हृदय जीत लिया था। मुझे याद है, 2001 में कच्छ वें भूकंप के समय स्वामी आत्मास्थानंद उन सबसे पहले लोगों में से एक थे, जिन्होंने मुझे फेन करके ये कहा कि आपदा प्रबंधन के लिए रामकृष्ण मिशन से हम संभव मदद करने के लिए तैयार हैं। उनके निर्देशों वे अनुरूप, रामकृष्ण मिशन ने भूकंप के उस संकट काल में लोगों की बहुत सहायता की। बीते वर्षों में स्वामी

आत्मास्थानंद जी एवं स्वामी स्मरणानंद जी ने विभिन्न पदों पर रहते हुए सामाजिक सशक्तिकरण पर बहुत जोर दिया। जो भी लोग इन महान विभूतियों के जीवन को जानते हैं, उन्हें ये जरूर याद होगा कि आप जैसे संत मार्डन लनिंग, स्किलिंग और नारी सशक्तिकरण के प्रति किनते गंभीर रहते थे। स्वामी आत्मास्थानंद जी के विराट व्यक्तित्व की जिस विशिष्टता से मैं सबसे अधिक प्रभावित था, वो थी हर संस्कृति, हर परंपरा के प्रति उनका प्रेम, उनका सम्मान। इसका कारण था कि उन्होंने भारत के अलग अलग हिस्सों में लंबा समय गुजारा था और वो लगातार ध्रमण करते थे। उन्होंने गुजरात में रहकर गुजराती बोलना सीखा। यहां तक कि मुझसे भी, वो गुजराती में ही बात करते थे। मुझे उनकी गुजराती बहुत पसंद भी थी। भारत की विकास यात्रा के अनेक बिंदुओं पर, हमारी मातृभूमि को स्वामी आत्मास्थानंद जी, स्वामी स्मरणानंद जी जैसे अनेक संत महात्माओं का आशीर्वाद मिला है जिन्होंने हमें सामाजिक परिवर्तन की नई चेतना दी है। इन संतों ने हमें एक साथ होकर समाज के हित के लिए काम करने की दीक्षा दी है। ये सिद्धांत अब तक शाश्वत हैं और आने वाले कालखंड में यही विचार विकसित भारत और अनुत्त काल की संकल्प शक्ति बनेंगे। मैं एक बार मिर, पूरे देश की ओर से ऐसी संत आत्माओं को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। मुझे विश्वास है कि रामकृष्ण मिशन से जुड़े सभी लोग उनके दिखाए मार्ग को और प्रशस्त करेंगे।

ओम शांति ।
लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं

www.wiley.com

चुनावी बांड ने सियासी दलों का भांडा फोड़ा.....



एजेंसियों से बच गए तो राज्यों में सत्तारूढ़ गैर भाजपा दलों की राज्यों की एजेंसियों की लपेटे में आ सकते हैं। राज्य की एजेंसियां किसी न किसी बहाने चंदा कम मिलने या नहीं मिलने का हिसाब चुकता किए बगैर नहीं मानेंगी। बदले की भावना से राजनीतिक दलों द्वारा कराई गई ऐसी कार्रवाई को छिपाने के लिए एजेंसियां रटा-रटाया जबाब पहले भी देती रही हैं कि कानून अपना काम करेगा। राजनीतिक दलों ने ऐसे उद्यमियों से भी चंदा लेने से गुरेज नहीं किया जिन पर केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय की नजर है। दूसरे शब्दों में कहें तो उद्यमी इस मंशा को भांप गए कि चंदा देकर निशाने से कैसे बचा जा सकता है। चुनावी बांड की योजना लागू होने के बाद इसके माध्यम से सबसे अधिक 6986.5 करोड़ रुपए की धनराशि भाजपा को प्राप्त हुई। इसके बाद पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस को 1397 करोड़ रुपए, कांग्रेस को 1334 करोड़ रुपए और बीआरएस को 1322 करोड़ रुपए मिले। चुनावी बांड से सबसे ज्यादा दान पाने वालों की पार्टियों में तृणमूल दूसरे, कांग्रेस तीसरे और बीआरएस चौथे नंबर की पार्टी है। खास बात यह भी है कि जिन राजनीतिक

दलों के पास सत्ता नहीं है और जिनके सत्ता में आने के संभावना क्षीण है, उनका आकलन करके चंदा देने वालों ने किनारा कर लिया। यदि सुप्रीम कोर्ट एसबीआई को इसका खुलासा करने पर मजबूर नहीं करता तो इस गठजोड़ का खुलासा कभी नहीं हो पाता। कई राजनीतिक दलों ने विभिन्न कानूनी प्रावधानों का हवाला देते हुए चुनावी बॉन्ड देने वालों का विवरण साझा करने से इन्कार करते रहे। जबकि कुछ दलों ने कहा कि उन्हें ड्रॉप बॉक्स या डाक के माध्यम से चंद मिला है, जिन पर किसी का नाम नहीं था। एक लॉटरी कंपनी से अधिकांश चंदा हासिल करने वाली द्रविड़ मुनेत्री कषगम (द्रमुक) ने 2019 में उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार चुनावी बॉन्ड का विवरण प्राप्त करने वे लिए अपने दानकर्ताओं से संपर्क किया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चंदा देने वालों का खुलासा न करने के लिए जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 में संशोधन और भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम तथा आयकर अधिनियम के संबंधित पहलुओं का हवाला दिया। भाजपा ने निर्वाचन आयोग को लिखे अपने पत्र में कहा कि विधिवत प्रस्तुत किया जा चुका है वि-

चुनावी बॉन्ड योजना केवल राजनीतिक वित्तपोषण में धन का हिसाब-किताब रखने और दानदाताओं को किसी भी परिणाम से बचाने के उद्देश्य से पेश की गई थी। कांग्रेस ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को एक पत्र लिखकर चुनावी बॉन्ड दाताओं, धनराशि, तारीख और उस बैंक खाते का विवरण मांगा जिसमें ये जमा किए गए थे। एसबीआई ने कांग्रेस को जवाब दिया कि चुनावी बॉन्ड का विवरण राजनीतिक दलों के पास उपलब्ध है और बैंक खाते की जानकारी आयोग के साथ साझा की गई है। समाजवादी पार्टी ने एक लाख रुपए और 10 लाख रुपए की अपेक्षाकृत छोटी राशि के बॉन्ड का विवरण साझा किया। पार्टी ने बताया कि उसे एक करोड़ रुपए के 10 बॉन्ड बिना किसी नाम के डाक से प्राप्त हुए थे। लगभग 77 प्रतिशत चंदा लॉटरी किंग कहे जाने वाले सेंटियागो मार्टिन की कंपनी फ्यूचर गेमिंग से हासिल करने वाली द्रमुक ने कहा कि उसने दान का विवरण हासिल करने के लिए दानदाताओं से संपर्क किया था। द्रमुक ने कहा कि इस योजना के तहत दान लेने वाले को दानकर्ता का विवरण देने की भी आवश्यकता नहीं थी। पर भी, सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए, हमने अपने दानदाताओं से संपर्क करके विवरण हासिल किया। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) ने दानदाताओं के नामों की जानकारी वाले कॉलम में तत्काल उपलब्ध नहीं लिखा है। तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि चुनावी बॉन्ड पार्टी कार्यालय में भेजे गए थे और उन्हें ड्रॉप बॉक्स में डाल दिया गया था। टीएमसी ने कहा कि पार्टी का समर्थन करने की इच्छा रखने वाले विभिन्न व्यक्तियों की ओर से दूसरों के माध्यम से कुछ बॉन्ड भेजे गए थे जिनमें से कई ने गुमनाम तरीके से दान किया। शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा ने बॉन्ड देने वालों का विवरण प्रस्तुत करने में असमर्थता व्यक्त की, क्योंकि पार्टी ने विवरण नहीं रखा था।

संक्षिप्त समाचार

एनएमडीसी, बचेली ने जीता सीआईआई
राष्ट्रीय एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार



बचेली (विश्व परिवार)। बीआईआई, बचेली कॉम्प्लेक्स ने मुंबई में आयोजित 14वें सीआईआई राष्ट्रीय एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार 2023-24 में 'स्ट्रॉन्ग कमिंटेंट टू एच आर एप्सिलोन्स' पुरस्कार प्राप्त किया। बीआईआई, बचेली कॉम्प्लेक्स की ओर से यह पुरस्कार बचेली परियोजना के स्थानांशी सीआईआई एवं श्री बी वेंकटेश्वर एवं श्री धर्मेश आचार्य, महाप्रबंधक (कार्यिक) ने प्रहण किया। इस उपलब्धि ने मानव संसाधन उत्कृष्टता के प्रति एनएमडीसी बचेली की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया है।

राज्य में आदर्श आचार सहिता प्रभावी होने के बाद से निगरानी दलों द्वारा 25 करोड़ रुपए की नगदी और वस्तुएं जल

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगले ने लोकसभा आम निर्वाचन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एचआर कार्यवाही किए जाने के संबंध में सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन दिशा-निर्देशों के परिपालन में राज्य में विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों के माध्यम से आदर्श आचार सहिता के प्रभावी होने के बाद से अब तक 25 करोड़ 8 लाख रुपए की अवैध धन राशि तथा वस्तुएं जल की गई हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से राप्राप्त अनुसार वर्तन एजेंसियों (इन्फोसर्मेंट एंजेंसीज) द्वारा निगरानी के दौरान 28 मार्च तक 5 करोड़ 28 लाख रुपए की नगद धन राशि जल की गई है। इस दौरान 1731 लीटर अवैध शराब जल की गई है, जिसकी कीमत 41 लाख रुपए है। सघन जाँच अधिभान के दौरान एक करोड़ 28 लाख रुपए कीमत के 784 किलोग्राम मादक प्रवर्तन तथा 94 लाख रुपए कीमत के 23 किलोग्राम कीमती आधूपान भी जल किए गए हैं। इनके अतिरिक्त 16 लाख 96 हजार रुपए कीमत की अन्य सामग्रियां भी जल की गई हैं।

**राज्य निर्वाचन आयोग
उत्तोसग्रह**

धन और वस्तुओं के अवैध परिवहन तथा संग्रहण पर कड़ी नजर रखी जा रही है। प्रदेश में लागू आदर्श आचार सहिता के अंतर्गत निगरानी दलों द्वारा सघन जाँच की आवश्यकता लगातार जारी है। राज्य में लोकसभा आम निर्वाचन के लिए आदर्श आचार सहिता के प्रभावी होने के बाद से अब तक 25 करोड़ 8 लाख रुपए की अवैध धन राशि तथा वस्तुएं जल की गई हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से राप्राप्त अनुसार वर्तन एजेंसियों (इन्फोसर्मेंट एंजेंसीज) द्वारा निगरानी के दौरान 28 मार्च तक 5 करोड़ 28 लाख रुपए की नगद धन राशि जल की गई है। इस दौरान 1731 लीटर अवैध शराब जल की गई है, जिसकी कीमत 41 लाख रुपए है। सघन जाँच अधिभान के दौरान एक करोड़ 28 लाख रुपए कीमत के 784 किलोग्राम मादक प्रवर्तन तथा 94 लाख रुपए कीमत के 23 किलोग्राम कीमती आधूपान भी जल किए गए हैं। इनके अतिरिक्त 16 लाख 96 हजार रुपए कीमत की अन्य सामग्रियां भी जल की गई हैं।

द.पू.म. रेलवे में 8 रेल अधिकारियों एवं 61 रेल कर्मचारियों को प्रथम विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार एवं रेल सेवा पुरस्कार (महाप्रबंधक स्तर) से सम्मानित किया गया



बिलासपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा प्रथम विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार एवं रेल सेवा पुरस्कार (महाप्रबंधक स्तर) का आयोजित आज दिनांक 28 मार्च, 2024 को नार्थ ईंस्ट इंस्टीट्यूट सभागार बिलासपुर में 02 बजे से किया गया। परम्परा एवं पूरी गरिमा के साथ आयोजित निर्वाचन के रूप में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रथम विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार एवं रेल सेवा पुरस्कार समारोह की बधाई देते हुए वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की उत्कृष्टियों एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सभी कर्मचारियों का अप्रतिम अद्वितीय अवैधिकारियों, कर्मचारियों की इयूटी लगाई गई है। निर्वाचन कार्य में आदेशित अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए राज्य के समस्त शासकीय अस्पतालों में आवश्यक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं होने अथवा आपातकालीन स्थिति के लिए अधिकारी-कर्मचारी राजधानी रायपुर के 3 तथा राज्य के बाहर 2 निर्वाचनीय अस्पतालों में अपना इलाज सकेंगे।

उत्तेजित होकर किया गया है। इसके लिए रेल सेवा पुरस्कार की अवैधिकारियों, कर्मचारियों की इयूटी लगाई गई है। निर्वाचन कार्य में आदेशित अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए राज्य के समस्त शासकीय अस्पतालों में निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

देश की आर्थिक उत्तरी, सामाजिक विकास तथा राशीय एकता को बनाए रखने में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रथम विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार एवं रेल सेवा पुरस्कार समारोह की बधाई देते हुए वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की उत्कृष्टियों एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सभी कर्मचारियों का अप्रतिम अद्वितीय अवैधिकारियों, कर्मचारियों की इयूटी लगाई गई है। निर्वाचन कार्य में आदेशित अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए राज्य के समस्त शासकीय अस्पतालों में निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

भारत में पहली बार रेल का शुभारंभ 16 अप्रैल 1853 में मुंबई से थांगे के मध्य रेल चलाकर की गई थी। इस ऐतिहासिक घटना की याद में रेल मंत्रालय सही क्षेत्रीय रेलवे, वर्कपॉल, यूनिटों एवं मंडलों में प्रति वर्ष रेल वाहनों का गोरक्षण दिवस घोषित किया गया। इसके साथ रेल कर्मचारियों को विवरण के लिए उत्कृष्ट कार्य किया गया।

इसी कड़ी आज आयोजित प्रथम विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार एवं रेल सेवा पुरस्कार (महाप्रबंधक स्तर) समारोह में सर्वोत्तम परम्परा अनुसार मुख्य अतिथि श्री आलोक के द्वारा दीप अन्वयन कर इस समारोह के शुभारंभ किया गया। इसके प्रश्नात उत्तर महाप्रबंधक (सा.) श्री समीर कान्त माथुर के द्वारा सभी अतिथियों व आगामीकों का स्वागत करते हुए भारतीय रेलवे के गोरक्षण दिवस घोषित किया गया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री आलोक

हर माप्डं पर बेहतर कार्य के लिए बिलासपुर एवं नागपुर रेल मण्डल को Over all Efficiency सतपुड़ा शील्ड से नवाजा गया

कुमार ने अपने सम्बोधन में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रथम विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार एवं रेल सेवा पुरस्कार समारोह की बधाई देते हुए वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की उत्कृष्टियों एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सभी कर्मचारियों का अप्रतिम अद्वितीय अवैधिकारियों, कर्मचारियों की इयूटी लगाई गई है। निर्वाचन कार्य में आदेशित अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए राज्य के समस्त शासकीय अस्पतालों में निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

देश की आर्थिक उत्तरी, सामाजिक विकास तथा राशीय एकता को बनाए रखने में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रथम विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार एवं रेल सेवा पुरस्कार समारोह की बधाई देते हुए वित्तीय वर्ष 2022-23 में हमने 215 मिलियन रुपये का लाभ लाया है। वर्तमान में अब तक हमने 230 मिलियन रुपये का लाभ लाया है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी के सम्मिलित प्रयास से इस वर्ष हम लोग रेलवे बोर्ड के द्वारा दिये गए लक्ष्य को प्राप्त करना चाहते हैं। इसके लिए आप सभी के सम्मिलित प्रयासों के लिए रेलवे की अवैधिकारियों, कर्मचारियों की इयूटी लगाई गई है। निर्वाचन कार्य में आदेशित अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए राज्य के समस्त शासकीय अस्पतालों में निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

देश की आर्थिक उत्तरी, सामाजिक विकास तथा राशीय एकता को बनाए रखने में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रथम विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार एवं रेल सेवा पुरस्कार समारोह की बधाई देते हुए वित्तीय वर्ष 2022-23 में हमने 215 मिलियन रुपये का लाभ लाया है। वर्तमान में अब तक हमने 230 मिलियन रुपये का लाभ लाया है।

महाप्रबंधक के सम्बोधन के पश्चात इस वर्ष में 2500 नये कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। इसके साथ रेल कर्मचारियों को जाता है मैं इस वर्ष में अपने कर्मचारियों को और भी बढ़ावा देता हूं। इसके लिए रेलवे की अवैधिकारियों, कर्मचारियों की इयूटी लगाई गई है। निर्वाचन कार्य में आदेशित अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए राज्य के समस्त शासकीय अस्पतालों में निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

देश की आर्थिक उत्तरी, सामाजिक विकास तथा राशीय एकता को बनाए रखने में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रथम विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार एवं रेल सेवा पुरस्कार समारोह की बधाई देते हुए वित्तीय वर्ष 2022-23 में हमने 215 मिलियन रुपये का लाभ लाया है। वर्तमान में अब तक हमने 230 मिलियन रुपये का लाभ लाया है।

देश की आर्थिक उत्तरी, सामाजिक विकास तथा राशीय एकता को बनाए रखने में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रथम विशिष्ट रेल स